मौन हैं

बज रहीं,

मंदिरों में,

घंटियां!

दीवारें,

बहरी हो गईं,

वह मौन हैं!

पत्थर वाले,

भगवान ने पूछा,

तू कौन है!

चीथड़े में,

लिपटी कहानी,

लिखता कौन है!

भूर्भुवः,

में रहता,

कौन है!

धरा की सत्ता,

संभालता,

कौन है!

शस्त्रों से,

सुसज्जित,

अंधा जौंन है!

सर्व शक्तिमान,

देखता नहीं,

मौन है!!

डॉ. सतीश "बब्बा"